वर्ष-16, अंक-55
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार
जिंदगी में सबसे बड़ा धनवान वो इंसान होता है, जो दूसरों को अपनी मुस्कुराहट देकर उनका दिल जीत लेता है।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार सिटी चीफ

इंदौर, शनिवार, 31 मई 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

बिहार में अगड़ी जातियों के लिए बना विकास आयोग

बीजेपी नेता को बनाया अध्यक्ष, जानें अन्य सदस्यों के नाम

पटना, नीतीश कुमार की अगुवाई वाली बिहार सरकार ने सवर्णों के विकास के लिए एक आयोग का गठन किया है। उच्च जातियों के विकास के लिए बने इस आयोग के अध्यक्ष वरिष्ठ भाजपा नेता महाचंद्र सिंह बनाए गए हैं, जबकि जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता और वरिष्ठ नेता राजीव रंजन प्रसाद को उपाध्यक्ष बनाया गया है। दयानंद राय, जय कृष्ण झा, राजकुमार सिंह को सदस्य बनाया गया है।

NITISH KUMAR

सभी सदस्यों का तीन साल होगा कार्यकाल

इस आयोग में एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष और तीन सदस्य होंगे। सामान्य प्रशासन विभाग की तरफ से इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई है। जेडीयू प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद को उच्च जाति आयोग का उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं दयानंद राय, जय कृष्ण झा और राजकुमार सिंह को सदस्य नियुक्त किया गया है। अध्यक्ष-उपाध्यक्ष और सदस्यों का कार्यकाल 3 वर्षों का होगा।

राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग को मिला नया अध्यक्ष

इसी के साथ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग में भी महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। पश्चिम चंपारण के शैलेंद्र कुमार को आयोग का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनके साथ सुरेंद्र उरांव उपाध्यक्ष होंगे, जबकि प्रेमलीला गुप्ता, तल्लू बास्के और राजू कुमार को सदस्य बनाया गया है। इस आयोग का भी कार्यकाल तीन साल होगा।

बिहार अल्पसंख्यक आयोग का पुनर्गठन

यह घोषणा जेडीयू के गुलाम रसूल को राज्य के अल्पसंख्यक आयोग का प्रमुख नियुक्त किए जाने के एक दिन बाद हुई है। बता दें कि गुरुवार को नीतीश कुमार की सरकार ने राज्य में अल्पसंख्यक आयोग का पुनर्गठन किया था। अल्पसंख्यक आयोग का चेयरमैन गुलाम रसूल बलयावी बनाया गया था। आयोग में 10 अन्य सदस्य भी बनाए गए हैं। गुलाम रसूल पार्टी के सीनियर नेता हैं और पूर्व में सांसद भी रह चुके हैं।

बिहार में इसी साल होने वाले हैं विधानसभा चुनाव

बिहार में इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं। राज्य में राजनीतिक माहौल पहले से ही गरमा रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सत्ता में बने रहने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। वहीं, आरजेडी भी सत्ता में वापसी के लिए प्रयासरत है। आरजेडी और कांग्रेस ने अभी से ही चुनावी वादे भी करना शुरू कर दिए हैं। महागठबंधन ने बिहार की जनता से वादा किया है कि सत्ता में आने पर 2500 रुपये महिलाओं को दिए जाएंगे।

गोपालगंज में छात्र की गोली मारकर हत्या

कोचिंग गया था, अपराधियों ने मारी गोली, विरोध में हंगामा

गोपालगंज, गोपालगंज जिले के हथुआ नगर पंचायत के मकतब स्कूल के पास दिन दहाड़े एक छात्र की गोली मार कर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान मीरगंज थाना क्षेत्र के कालोपट्टी निवासी मुमताज आलम का 17 वर्षीय पुत्र आशु आलम के रूप में हुई। बताया जा रहा है कि आशु दोपहर घर से कोचिंग पढ़ने के लिए हथुआ स्थित यूनिक ब्रेन कोचिंग में आया था। इस बीच मोबाइल पर फोन आने के बाद जैसे ही वह कोचिंग से घर जाने के लिए बाहर में निकला।

आशु के सीने में मारी गोली

इसी दौरान एक बाइक पर सवार दो युवक आए और आशु के सीने में गोली मार दी। आस पड़ोस के लोग कुछ समझते तब तक गोली मारकर अपराधी मौके से फरार हो गए। गोली लगते ही छात्र जमीन पर गिर कर तड़पने लगा। उसे स्थानीय लोगों की मदद से हथुआ स्थित अनुमंडलीय अस्पताल ले पहुंचाया गया। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचे। जहां उन्हें आशु के मौत होने की जानकारी मिली। इसके बाद गांव के सैकड़ों लोग वहां जमा हो गए और हंगामा करने लगे।

गांव में शोक की लहर दौड़ गई

घटना के बाद से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। घटना के बाद शहर के हॉस्पिटल चौक पर उमड़ी भीड़ हत्यारे को जल्द गिरफ्तार करने की मांग कर रही थी। इसके बाद एसडीपीओ आनंद मोहन गुप्ता ने समझा बुझा कर लोगों को शांत कराया। मृतक के पिता मुमताज मियां विदेश में कार्य करते हैं। घर में दो भाई और एक बहन में आंसू सबसे छोटा था। बेटे की मौत की खबर सुनकर अस्पताल परिसर में उसकी मां का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, छात्र की हत्या के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल में भेज दिया।

एफएसएल की मदद से जांच में जुटी पुलिस

हथुआ थानाध्यक्ष शोयब आलम मौके पर पहुंच कर मामले की जांच कर कार्रवाई करने में जुट गए हैं। थानाध्यक्ष ने हत्या के बाद एफएसएल की टीम को बुलाया गया है। हथुआ थानाध्यक्ष शोयब आलम ने बताया कि हत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। मामले की जांच की जा रही है। पुलिस इंस्पेक्टर सह थानाध्यक्ष सोएब अख्तर ने बताया कि हत्याकांड से जुड़े हर बिंदुओं की जांच की जा रही है। मृत छात्र के मोबाइल डीओआर, टावर लोकेशन व आसपास के सीसीटीवी कैमरा की मदद से अपराधियों की पहचान की जा रही है। जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

राजधानी में ट्रेन हादसा होने से बचा ,यात्रियों ने कहा- लगा अब सब कुछ हो जायेगा ख़त्म

पटना, राजधानी पटना में पटना मेमू ट्रेन हादसे का शिकार होने से बाल-बाल बच गई। यह घटना पटना जंक्शन और परसा बाजार स्टेशन के बीच यादवचक की है। यात्रियों का कहना है कि कुछ देर के लिए तो लगा कि अब सब कुछ समाप्त हो जायेगा, लेकिन ईश्वर की कृपा से जान बाल-बाल बच गई।

घटना के संबंध में ट्रेन में सवार यात्रियों ने बताया कि परसा बाजार थाना क्षेत्र के यादवचक के पास मेमू ट्रेन नंबर 63258 परसा बाजार स्टेशन से खुलकर पटना जंक्शन जा रही थी, इसी बीच जोरदार आवाज के साथ ट्रेन झटके साथ रुक गई। ट्रेन के अचानक इस तरह रुकते ही यात्री ट्रेन से उतरकर इधर-उधर भागने लगे। फिर ट्रेन के चालक ने लोगों को समझाने की बहुत कोशिश की। इस संबंध में ट्रेन चालक ने बताया कि परसा बाजार स्टेशन के आगे नत्थूपुर के क्रासिंग के पास एक बाइक की ट्रेन से जोरदार टक्कर हो गई। इस वजह से बाइक ट्रेन में फंस गई. बहुत मुश्किल से बाइक को ट्रेन से निकाला गया। बाइक की टक्कर से ट्रेन को काफी नुकसान हुआ। ट्रेन में सवार कुछ यात्रियों ने बताया कि पहली बोगी में बैठा था। तभी अचानक तेज आवाज के साथ ट्रेन झटके से रुकी। पूछने पर रेलवे कर्मी ने बताया कि बाइक ट्रेन में फंसी थी उसकी आवाज से लग रहा था ट्रेन अब पलट जायेगी। फिलहाल सबकुछ ठीक है।

राजकीय तिब्बी कॉलेज अस्पताल भवन के निर्माण कार्य का मुख्यमंत्री ने किया शिलान्यास

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर में तिब्बी कॉलेज अस्पताल भवन के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इसके निर्माण पर करीब 264 करोड़ रुपये की लागत आने का अनुमान है। इस नये भवन का निर्माण छह एकड़ भूमि पर किया जाएगा।

इस मौके पर मुख्यमंत्री के अलावा स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे, संसदीय कार्य मंत्री विजय चौधरी, बिहार विधानसभा के अध्यक्ष नंद किशोर यादव भी उपस्थित रहे। शिलान्यास से पहले स्वास्थ्य विभाग के सचिव मनोज कुमार सिंह और बीएमएसआईसीएल के एमडी धर्मेंद्र कुमार ने निर्माण स्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान नालंदा मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य डॉ प्रो उषा कुमारी, अधीक्षक डॉ. प्रो. रश्मि प्रसाद, और उपाधीक्षक डॉ. सरोज कुमार भी मौजूद थे।

मौके पर बीएमएसआईसीएल के अभियंताओं ने मुख्यमंत्री को बताया कि निर्माण कार्य वर्ष 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है। निर्माणाधीन भवन में 200 बेड की क्षमता वाला पांच मंजिला यूनानी अस्पताल, 150 विद्यार्थियों की क्षमता वाला अकादमिक भवन, 500 लोगों की बैठने की क्षमता वाला वातानुकूलित सभागार, प्राचार्य, अधीक्षक, डॉक्टरों एवं कर्मियों के लिए आवासीय परिसर, यूजी और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए छात्रावास की सुविधाएं होंगी। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में तिब्बी कॉलेज अस्पताल कदमकुआं में संचालित हो रहा है।

स्वामी कैलाशानंद गिरी का हुआ भरपूर स्वागत, भक्तों ने कहा - दिव्य संत के दर्शन मात्र से जीवन धन्य हो गया

नेचर विलेज, जमुई द्वारा आचार्य महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 परम पूय गुरुदेव डॉ स्वामी कैलाशानंद गिरी जी महाराज का भव्य स्वागत समारोह अत्यंत श्रद्धा और भक्तिभाव से संपन्न हुआ। यह शुभ अवसर न केवल जमुई की भूमि के लिए गौरवपूर्ण रहा, बल्कि समस्त सनातन धर्म प्रेमियों के लिए एक आध्यात्मिक पर्व के समान था।

राष्ट्र और मानवता के कल्याण के लिए डॉ स्वामी कैलाशानंद गिरी जी महाराज के द्वारा दिया गया आध्यात्मिक ज्ञान, संत दर्शन और जीवन मार्गदर्शन इस समारोह का मूल उद्देश्य था। इस संबंध में श्रद्धालुओं का मानना है कि ऐसे दिव्य संत के दर्शन मात्र से जीवन धन्य हो जाता है।

इस मौके पर हज़ारों की संख्या में सनातनी श्रद्धालु व महापुरुष वहां पहुंचे और उनके सान्निध्य में जीवन को सार्थक बनाने की प्रेरणा प्राप्त की। इस कार्यक्रम में मौजूद श्रद्धालुओं ने इस बात का विश्वास जताते हुए कहा कि डॉ स्वामी कैलाशानंद गिरी जी महाराज के पावन चरणों का स्पर्श जमुई में सत्य, धर्म और आध्यात्मिक चेतना के एक नव प्रभात का सूत्रपात करेगा। नेचर विलेज गुरुजी के संरक्षण में उसी प्रकार समर्पित रहेगा जैसे वटवृक्ष की एक अटूट पत्ता - सदा सेवामय, सदा समर्पित।

PM मोदी ने बिहार के BJP नेताओं को दिया चुनाव में जीत का मंत्र

इन 10 बातों पर फोकस करने को कहा

पटना, बिहार में इस साल के आखिर तक विधानसभा चुनाव होने हैं। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार से बिहार के दौरे पर हैं। गुरुवार की शाम को उन्होंने पटना में बिहार भाजपा के कार्यालय में बीजेपी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ करीब डेढ़ घंटे की बैठक की है। इस बैठक में पीएम ने नेताओं और कार्यकर्ताओं को चुनाव में जीत का मंत्र दिया है। बता दें कि प्रधानमंत्री दूसरी बार भाजपा प्रदेश कार्यालय में आए थे, इससे पहले वह 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान आए थे। पीएम मोदी के साथ इस बैठक में 180 लोगों के बैठने की व्यवस्था थी। पीएम ने अपना संबोधन पार्टी नेताओं से सवालों के जरिए किया, अलग अलग विषयों पर नेताओं से सवाल पूछे, उनके जवाब सुने और फिर उस पर अपनी राय रखी। आइए, जानते हैं कि पीएम मोदी ने बिहार के नेताओं को क्या सलाह दी है।

पीएम मोदी ने बताई सफलता के लिए सबसे जरूरी चीज प्रधानमंत्री ने नेताओं से पूछा कि राजनीति में सफलता कैसे मिलती है इस पर नेताओं ने अपनी राय रखी। इसके बाद पीएम मोदी ने कहा कि सफलता के लिए सबसे जरूरी चीज है- धैर्य। चुनाव के समय टिकट के लिए कुछ लोग पार्टी बदल लेते हैं, ऐसे लोगों में धैर्य का अभाव होता है। एनडीए को लगातार केंद्र में तीसरी बार सफलता मिली है तो इसके पीछे भी धैर्य है। जनसंघ के समय से ही लगे हुए लोगों के कारण आज हमें यह सफलता मिली है।

पीएम मोदी ने दिए जीत के 10 मंत्र

NDA के सभी घटक दल समन्वय बनाकर मजबूती के साथ कार्य करें।
लोगों के पर्व त्योहारों और दुख-सुख में शामिल हों। लोगों से पारिवारिक रिश्ता बनाएं।
सिर्फ चुनाव के समय ही नहीं बल्कि हमेशा जनता के बीच में रहें। उनकी समस्याएं सुनें और विकास कार्यों की उन्हें जानकारी दें।
सोशल मीडिया पर सक्रिय रहें ताकि इसके माध्यम से सरकार और पार्टी की बात लोगों तक पहुंचाई जा सके।
लोकसभा में जहां हार हुई वहाँ और जहां कम वोटिंग हुई, ऐसी सीटों पर विशेष ध्यान दें।
सरकार की योजनाओं को लोगों को बताने के साथ-साथ उनका फीडबैक भी लेते रहे, आयुष्मान कार्ड, जन औषधि जैसी योजनाओं को घर घर तक पहुंचाएं।
ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करें और बताएं कि 22 मिनट में सेना ने कैसा शौर्य और पराक्रम दिखाया।
विधानसभा चुनाव को देखते हुए बूथ स्तर पर तैयारी करें। प्रत्येक वोटर से सीधे संपर्क करें। पीएम मोदी ने अपने पुराने दिनों को याद करते हुए बताया कि कैसे वह बूथ स्तर तक काम करते थे।
जनता सरकार के कार्यों से कितनी संतुष्ट है, इसका फीडबैक खुद लें।
यह सुनिश्चित करें कि समाज के सभी वर्गों को संगठन में जगह मिले।

बिहार में कब होंगे चुनाव?

बिहार में इस साल के आखिर में अक्टूबर-नवंबर महीने में विधानसभा चुनाव का आयोजन हो सकता है। राय में 243 सीटें हैं और बहुमत के लिए 122 सीटों की जरूरत है।
बता दें कि राय में मुख्य मुकाबला भाजपा, जदयू, लोजपा (रामविलास), जीतन राम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी के NDA गठबंधन और राजद, कांग्रेस व कुछ अन्य दलों के महागठबंधन के बीच होना है। इनके अलावा प्रशांत किशोर की जन सुराज और ओवैसी की AIMIM भी चुनाव मैदान में होंगी।